भीलवाड़ा फोकस

RNI No. : RJHIN/25/A0890

•वर्ष - 01 •अंक - विशेषांक •प्रधान संपादक - कपिल विजयवर्गीय •बिजौलिया - सोमवार, 20 अक्टूबर 2025 • मो.- 86967 95959 • पृष्ठ - 4

बिजोलिया के मुख्य बाजार में 50 टन बारूद के साथ सुरक्षा संकट, अवैध पटाखा दुकानों से नगरवासियों की जान पर मंडरा रहा खतरा

प्रदेश में जैसलमेर के हादसे से भी प्रसाशन ने नहीं लिया सबक , दबाव के बीच हादसे को दिया जा रहा न्यौता

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

बिजोलिया में त्योहारी सीजन में खुशियों के बीच शहर के मुख्य बाजार में पटाखा विक्रेताओं की हठधर्मिता ने सुरक्षा को गंभीर खतरे में डाल दिया है। तेजाजी चौक से पंचायत चौक तक अवैध रूप से पटाखा दुकानों का जमावड़ा बढ़ गया है। स्थानीय प्रशासन की लापरवाही और दुकानदारों की दबंगई ने बाजार को किसी बड़े हादसे के लिए तैयार कर दिया है।

गौरतलब है कि शनिवार को थानाधिकारी उगमाराम सैनी ने भी मुख्य बाजार का निरीक्षण किया। इस दौरान फल और फ्रूट की दुकान पर भी पटाखे बेचे जा रहे थे, लेकिन मौके पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, कुछ दुकानदार जनप्रतिनिधियों, पुलिस और प्रशासन पर दबाव बनाकर अवैध दुकानों में सहयोग की माँग के साथ साथ कई लोगो को पैसे का लालच देकर अवैध दुकानों की बीच बाज़ार में अनुमति लेकर भीड़भाड़ वाले मुख्य बाजार में पटाखा बेचने पर अमादा हैं। इससे नगर पालिका की सभी शर्तों की धज्जियां उड़ रही हैं। जानकारी में ये भी सामने आया है की नगर के एक मंदिर परिसर में बीते दिनों हुई एक बैठक में एक पटाखा व्यवसाई (नेता) ने तेजाजी का चौक से पंचायत चौक तक विद्युत व्यवस्था का जिम्मा दुकानदारों के जिम्मे लेने की बात कहते हुए , मुख्य बाजार में दुकानें लगाने की अनुमति ली और बाजार में आम जनता की जान का सौदा 38 हज़ार में लगाई जाने वाली विद्युत व्यवस्था से कर लिया ।

गौरतलब है कि जिला कलेक्टर द्वारा मुख्य शहर में अस्थाई पटाखा दुकानों के लिए छोटा खेल मैदान की अनुमति दी गई है। साथ ही भीड़ भाड़ वाले इलाके में अनुमति देने का कोई प्रावधान नहीं है लेकिन इस वर्ष, लापरवाही का आलम यह है कि मुख्य बाजार में रविवार को खुले आम लगभग 50 टन से अधिक बारूद रखा गया है और इसे बेचा जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि जरा सी चूक भी यहां बड़े हादसे का रूप ले सकती है।

विशेष रूप से, हाल ही में जैसलमेर में बस आगजनी जैसी घटनाओं ने पूरे प्रशासन और आम जनता को आग और विस्फोट के खतरों के प्रति चेताया है। लेकिन बिजोलिया में अभी तक ऐसी किसी आपात व्यवस्था का इंतजाम नहीं किया गया है। संकरी गलियों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में इतनी मात्रा में पटाखा होने के कारण आग लगने की स्थिति में नागरिकों के लिए सुरक्षित भागना लगभग असंभव है ।

नगरवासियों का कहना है कि प्रशासन की निष्क्रियता और दुकानदारों की लापरवाही किसी बड़ी त्रासदी का निमंत्रण बन सकती है। इस बीच, लोगों और व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कड़े कदम उठाने की आवश्यकता है।

ग़ौरतलब है की नगर में 18 दुकानदारों को लाइसेंस दिए गए थे , जिनकी आड़ में 40 से अधिक पटाखा दुकानदार पटाखे ख़रीद ले आए और सभी तय सीमा से अधिक बारूद लेकर बिजोलिया को खतरे में डालने के लिए तैयार है ।

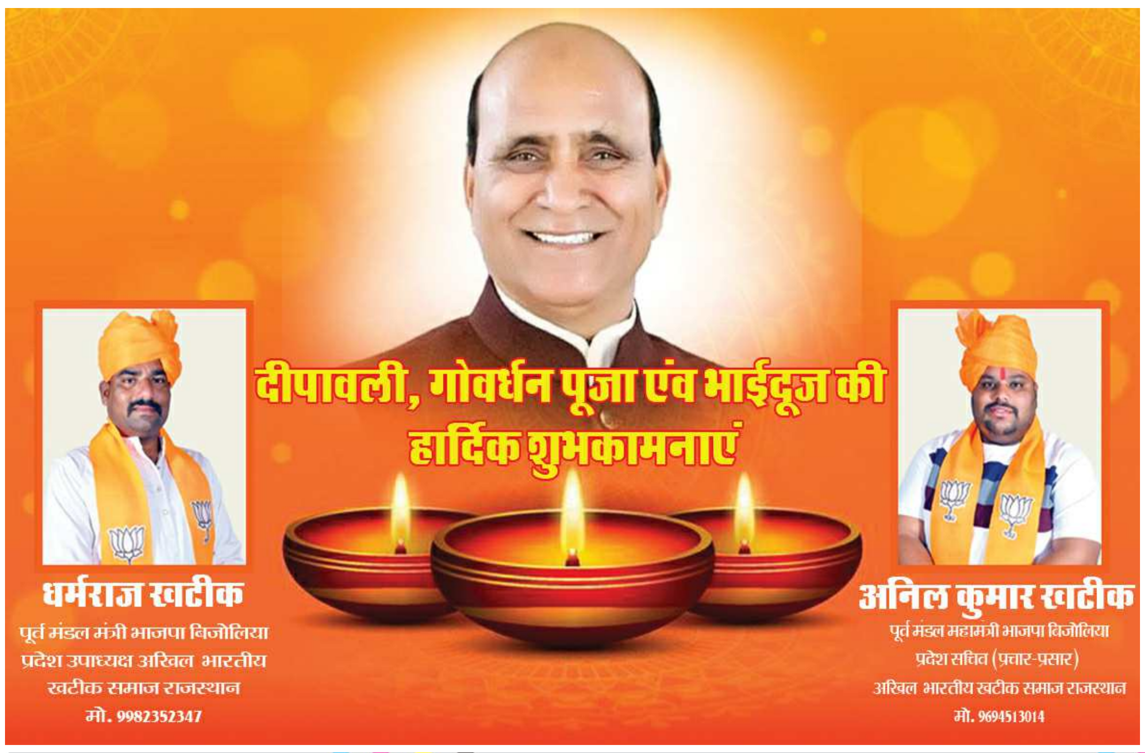

CMYK

दीपावली , गोवर्धन पूजा व भाई दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री
लक्ष्मी मिनरल्स
लक्ष्मी मिनकेम
सभी प्रकार के सोप स्टोन, चाइना क्ले और अन्य खनिजों के आपूर्तिकर्ता
संपर्क नंबर 9413823913, 9413026023

दीपावली, गोवर्धन पुजा, भाई दूज की
हार्दिक शुभकामनाएँ
पाबू जी
जोधपुर मिष्ठान भंडार एंड बेकर्स
बाईपास चौराहा काछोला
कानाराम देवासी
ओमाराम देवासी

दीपावली , गोवर्धन पूजा व भाई दूज की
हार्दिक शुभकामनाएँ
लक्ष्मण गुर्जर
कटारिया खेड़ा
जितेंद्र सिंह
राजपुरा
सांवर गुर्जर
पदमपुरा

GANPATI
MINERALS
AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY
गणपति मिनरल्स
सरथल्ला रोड़ काछोला
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ
यह त्यौहार आपके घर खुशहाली और समृद्धि लेकर आये

दीपावली
की हार्दिक शुभकामनाएँ
यह त्यौहार आपके घर खुशहाली
और समृद्धि लेकर आये
महाराणा प्रताप स्मारक सेवा समिति काछोला
ठाकुर वंश
प्रदीप सिंह सोलंकी
राजेंद्र सिंह सोलंकी
गुड्डू बन्ना
भगवान मंत्री
सत्यनारायण बलाई
हेमेंद्र सिंह सोलंकी
कैलाश धाकड़
प्रेमचंद धोबी
पप्पू लाल धाकड़

दीपावली
गोवर्धन पुजा
भाई दूज
हार्दिक शुभकामनाएं
बेट्री, इनवर्टर, सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक
ए.सी. आटा चक्की के विक्रेता
शिव शक्ति बेट्री
शोरुम के पास, भीलवाड़ा रोड काछोला, तह. माण्डलगढ़
ऐश्वर्य पारीक
मो. 9571575757
कान्ति शंकर जोशी
मो. 9001959522

आपको और आपके परिवार को
दीपावली
की हार्दिक शुभकामनाएँ
गोपाल खण्डेलवाल
विधायक मांडलगढ़
ग्राम विकास अधिकारी केशव शर्मा
प्रशासक रामपाल बलाई
ग्राम पंचायत काछोला
ग्राम पंचायत के विकास कार्य
1. बाईपास चौराहा डिवाइडर सौंदर्यकरण 2. कस्बे मे हाईमास्क लाइट से विद्युतीकरण
3. काछोला बस स्टैंड पर महाराणा प्रताप स्मारक 4. केशव पार्क निर्माण व ओपन जीम निर्माण
उप सरपंच देवी लाल माली, वार्ड पंच आशा देवी आचार्य, साँवरा भील, सोनू धोबी, पूजा योगी, सत्यनारायण मालू, काली देवी धाकड़, संतोष शर्मा
प्रेम देवी प्रजापत, अय्यूब बागदान,घनश्याम पोरवाल,लाल देव खटीक,हरचंद बैरवा,समस्त ग्रामवासी एंव वार्डपंच ग्रांमपचायत काछोला,प.स.मांडलगढ़

दीपावली
गोवर्धन पुजा, भाई दूज
की हार्दिक बधाई एव
शुभकामनाएं।
ब्रह्मालाल कंजर
प्रशासक सरथल्ला
छोगाराम देवासी
सचिव केशव शर्मा
सहायक सचिव नरेंद्र सिंह
वार्ड पंच रामकिशन मीणा ,उदय लाल धाकड़ , कैलाश धाकड़ ,सीमा बेरवा ,प्रभु लाल
आशा धाकड़ ,बालमुकुंद मालू एवं माया कंवर
ग्राम पंचायत सरथल्ला

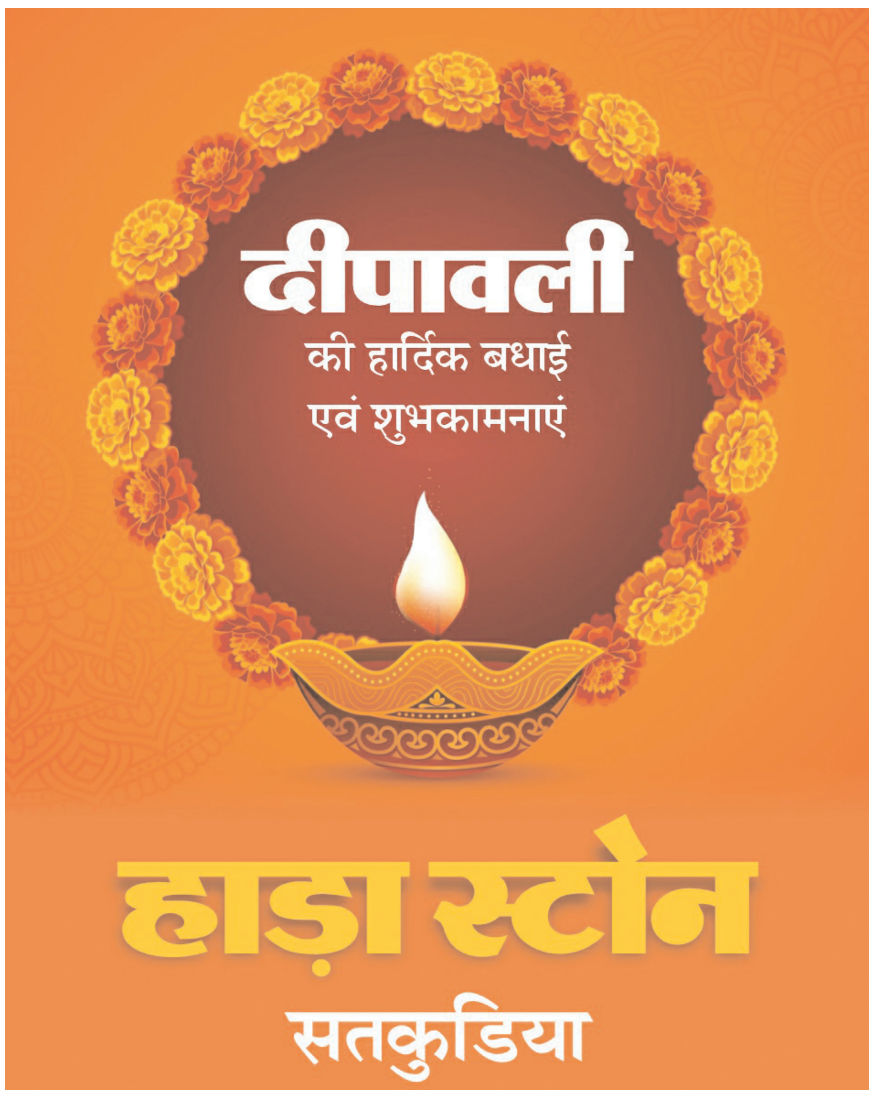

पुराने दोस्त ने ही उतारा मौत के घाट: भीलवाड़ा में नाबालिग पर चाकू से ताबड़तोड़ वार, इलाज के दौरान दम तोड़ा

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

शहर में शनिवार रात उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक नाबालिग युवक पर उसके ही पुराने दोस्त ने बीच सड़क पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को पहले महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर उदयपुर रेफर किया गया, जहां रविवार को उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वारदात के बाद इलाके में दहशत और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना प्रतापनगर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, पुलिस लाइन के पीछे महाराज की होटल के पास रहने वाला हनुमान (17) पुत्र ओमपुरी शनिवार रात पास की एक दुकान पर सामान लेने गया था। इसी दौरान महाराज की होटल और गौतम डेयरी के बीच रास्ते में उसका सामना उसके पुराने दोस्त सचिन से हुआ। मामूली कहासुनी के बाद सचिन ने अचानक चाकू निकालकर हनुमान पर तीन से चार वार कर दिए।

सीने और हाथ पर लगे वार, हमलावर फरार

चाकू के वार युवक के सीने और हाथ पर लगे, जिससे वह लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़ा। घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और क्षेत्र में अफरा-तफरी फैल गई। स्थानीय लोगों ने घायल को एम्बुलेंस की मदद से महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचाया। वहीं, हमला करने के बाद आरोपी सचिन मौके से फरार हो गया।

सूचना मिलते ही प्रतापनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और अस्पताल में घायल युवक के बयान दर्ज किए। बाद में उसकी हालत गंभीर होने पर उसे उदयपुर रेफर किया गया, जहां रविवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने हमले की वजह की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक पूछताछ में हत्या के पीछे किसी पुराने विवाद या आपसी रंजिश की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने एक आरोपी को डिटेन कर पूछताछ शुरू की है।

शांति और सुरक्षा को लेकर काछोला पुलिस का रूट मार्च

भीलवाड़ा फोकस @ काछोला।

विक्रम सिंह । दीपावली पर्व पर क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से काछोला थाना प्रभारी बालकिशन शर्मा के नेतृत्व में रविवार को पुलिस ने रूट मार्च निकाला। रूट मार्च थाना परिसर से प्रारंभ होकर गोल चबूतरा, बस स्टैंड होते हुए बाईपास चौराहे तक निकाला गया।

इस दौरान पुलिस जवानों ने क्षेत्रवासियों को शांति, भाईचारे और कानून व्यवस्था बनाए रखने का संदेश दिया। थाना प्रभारी बालकिशन शर्मा ने बताया कि दीपावली पर्व पर किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो, इसके लिए पुलिस पूर्ण सतर्कता बरत रही है। क्षेत्र में गश्त और निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि नागरिक सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार मना सकें। रूट मार्च में पुलिस जवानों के साथ बीट प्रभारी और थाना स्टाफ भी शामिल रहे।

नला के माताजी मंदिर ने बदला स्वरूप: अब श्रद्धा के साथ पर्यटन का भी बना केंद्र

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया

(कपिल श्याम विजय)। मुख्यालय से करीब 11 किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर स्थित नला के माताजी का मंदिर अब अपने बदले हुए भव्य स्वरूप से श्रद्धालुओं और सैलानियों दोनों को आकर्षित करने लगा है। लगभग दो दशक पहले तक यह स्थान साधारण रूप में था, लेकिन अब मंदिर परिसर में किए गए विकास कार्यों ने इसे क्षेत्र का प्रमुख आस्था स्थल और प्राकृतिक पर्यटन केंद्र बना दिया है।

कभी खनन क्षेत्र, अब आस्था का केंद्र

करीब बीस साल पहले तक यह इलाका सेंडस्टोन की अवैध खनन गतिविधियों के लिए जाना जाता था। यहां खनन कार्य करने वाले 'आखा पाती' मांगने आते थे और मंदिर की स्थिति भी जर्जर थी। मंदिर के चारों ओर प्रचुर मात्रा में सेंडस्टोन मौजूद है। लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग 27 के निर्माण के बाद आसपास के गांव सदारामजी का खेड़ा, भूति, गणेशपुरा, गोविन्दपुरा, कामां और देवगढ़ के ग्रामीणों ने मिलकर एक कमेटी बनाई और सामूहिक प्रयासों से इस मंदिर को भव्य रूप प्रदान किया।

कुंड, बगीचे और धर्मशाला बने आकर्षण का केंद्र

मंदिर विकास समिति के सदस्य कमलेश ने बताया कि परिसर में अब कुंड, बगीचे और धर्मशाला का निर्माण किया गया है। बारिश के मौसम में यहां की प्राकृतिक सुंदरता देखते ही बनती है। बहते जलधाराओं और हरियाली के बीच यह स्थान अब सैलानियों का पसंदीदा पिकनिक स्थल बन गया है। मंदिर परिसर में बने छायादार बरामदे में अब सेमिनार, बैठकें और गोठ जैसी गतिविधियां भी आयोजित होने लगी हैं।

हरियाली और बहते पानी की मनमोहक छटा

सावन-भादों के महीनों में यहां का नजारा निराला हो जाता है। चारों तरफ फैली हरियाली, कुंड में गिरते झरनों की कल-कल ध्वनि और शांत वातावरण श्रद्धालुओं व पर्यटकों दोनों को भाता है। अब मंदिर के आसपास वाहन पार्किंग और खाने-पीने के लिए ढाबे भी खुल गए हैं, जिससे यहां का रौनक और बढ़ गई है।

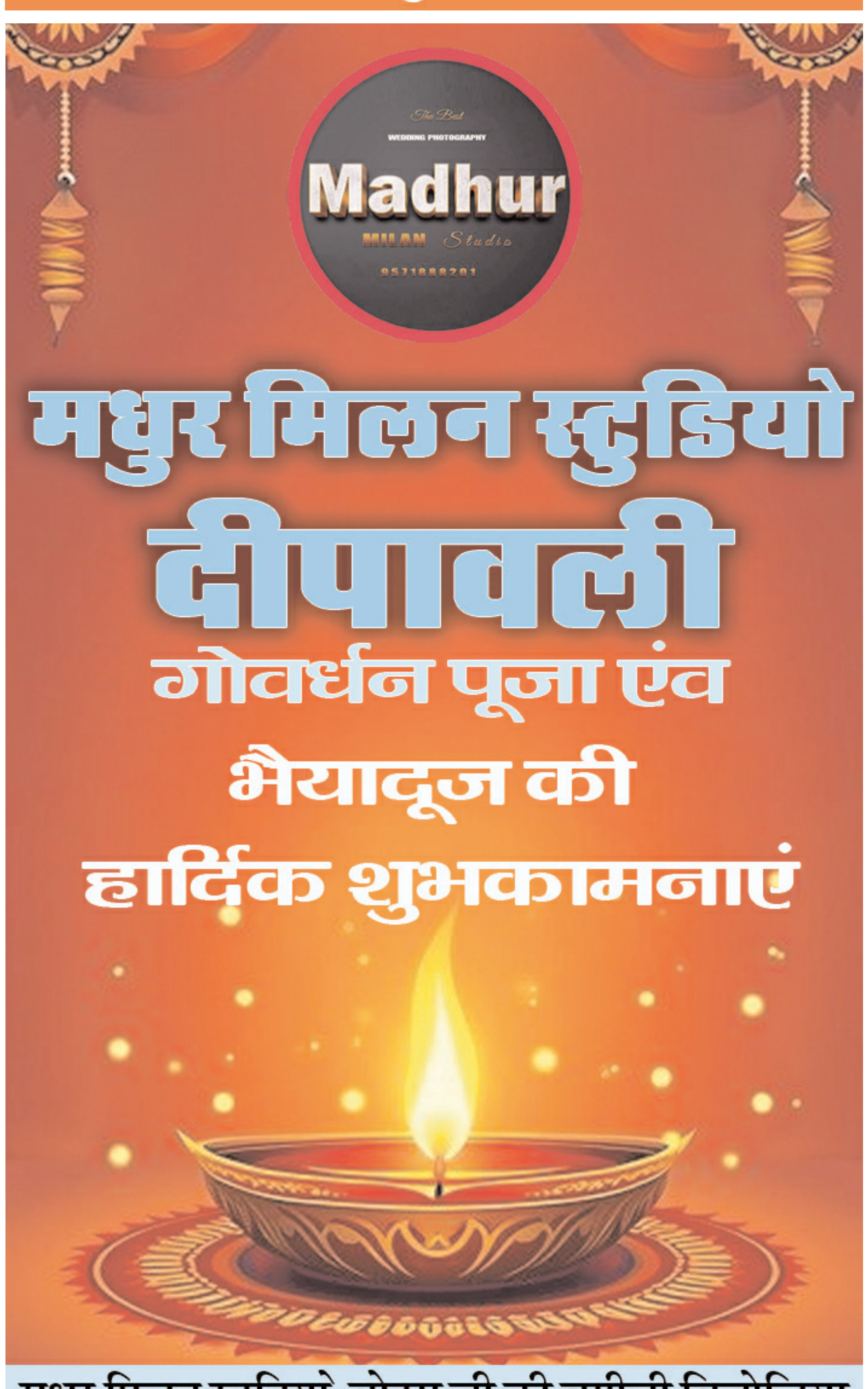

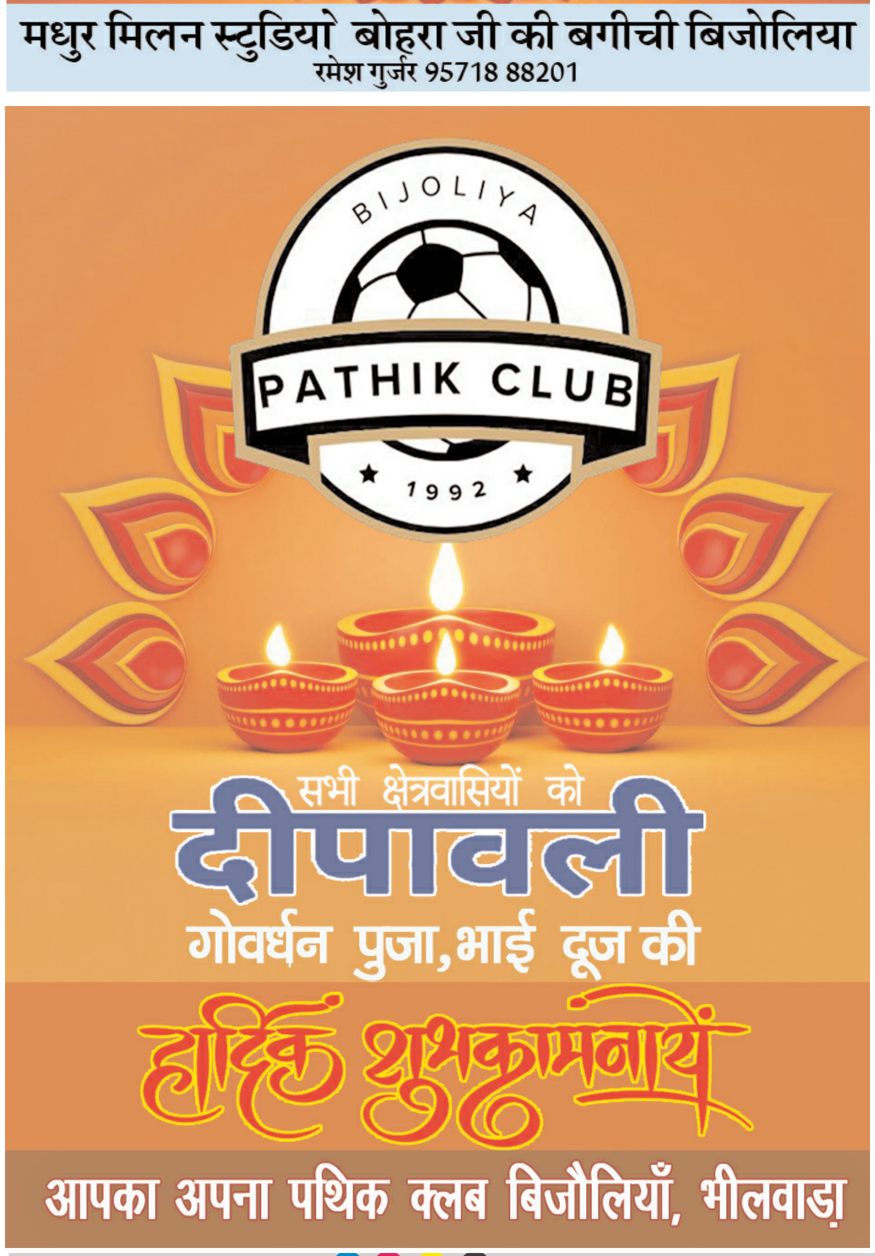

विंध्याचल की गोद में बसा 'मंदाकिनी मंदिर परिसर' आस्था, कला और इतिहास का अद्भुत संगम

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया
(कमलेश सोनी)

विंध्याचल पर्वतमाला की गोद में बसा प्राचीन नगर बिजौलिया न केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यहाँ स्थित मंदाकिनी मंदिर परिसर अपनी स्थापत्य कला, धार्मिक आस्था और रहस्यमयी मान्यताओं के कारण भी विशेष पहचान रखता है। यह मंदिर समूह 11वीं-12वीं शताब्दी में चाहन (चौहान) वंश के शासनकाल में भगवान शिव को समर्पित करते हुए निर्मित किया गया था।

मंदाकिनी क्षेत्र में स्थित शिवालयों का यह समूह आज भी शिवभक्तों के लिए तीर्थ समान माना जाता है। एक ही परिसर में महाकालेश्वर, हजारेश्वर और उण्डेश्वर जैसे प्राचीन मंदिरों की उपस्थिति इसे और अधिक पवित्र बनाती है।

महाकालेश्वर मंदिर में खजुराहो शैली की झलक

मंदाकिनी का सबसे प्रमुख और आकर्षक मंदिर है महाकालेश्वर मंदिर। इसकी भव्य शिल्पकला दूर से ही खजुराहो के मंदिरों की याद दिलाती है। मंदिर में विशाल शिवलिंग के साथ पार्वती माता का मंदिर भी बना हुआ है।

मंदिर परिसर में स्थित प्राचीन बावड़ी (कुंड) आज भी श्रद्धा का केंद्र बनी हुई है। स्थानीय मान्यता है कि जब क्षेत्र में बारिश नहीं होती, तो इस बावड़ी में जल भरकर पार्वती माता की मूर्ति को स्पर्श कराया जाता है, और इसके बाद क्षेत्र में वर्षा होती है। यह परंपरा आज भी आस्था और विश्वास के साथ निभाई जाती है।

हजारेश्वर मंदिर स्थापत्य कला का अनोखा उदाहरण

महाकालेश्वर मंदिर के निकट स्थित हजारेश्वर मंदिर अपनी अनोखी शिल्पकला के लिए जाना जाता है। यहाँ के शिवलिंग पर सैकड़ों लघु शिवलिंग उत्कीर्ण हैं, जो इसे विशेष बनाते हैं। मंदिर का शिखर स्थापत्य कला का बेजोड़ नमूना है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर स्थित नरराज की प्रतिमा इस परिसर को और भी मनोहारी बनाती है।

उण्डेश्वर मंदिर तांत्रिक साधना का प्रमुख केंद्र

तीसरा मंदिर उण्डेश्वर के नाम से प्रसिद्ध है, जो प्राचीन काल में तांत्रिक परंपरा का केंद्र माना जाता था। यहाँ अनेक देवियों की मूर्तियाँ स्थापित हैं, जिनमें सबसे दुर्लभ है नारी गणेश की प्रतिमा। यह अद्वितीय मूर्ति देशभर में बहुत कम स्थानों पर देखने को मिलती है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, महामारी से बचाव और फसलों को टिड्डी दल से सुरक्षित रखने के लिए नारी गणेश की पूजा की जाती थी। कुछ विद्वान इसे गणेश जी की पत्नी का स्वरूप मानते हैं। पुराणों में इनका उल्लेख गणेशानी, वैनायिकी और गणेश्वरी नामों से किया गया है।

मंदाकिनी कुंड आस्था का पवित्र जलस्रोत

इन मंदिरों के समकालीन काल में निर्मित मंदाकिनी कुंड भी धार्मिक दृष्टि से अत्यंत पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि इसका जल चमत्कारिक गुणों से युक्त है। भक्तजन पूजा-अर्चना के पश्चात यहाँ स्नान कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

पुरातत्व विभाग से संरक्षण और धार्मिक आयोजनो का केंद्र

मंदाकिनी मंदिर परिसर को भारतीय पुरातत्व विभाग ने राष्ट्रीय संरक्षित स्मारक घोषित किया है। कुछ वर्ष पूर्व यहाँ सफाई और संरक्षण कार्य भी कराया गया था। सावन मास और महाशिवरात्रि के अवसर पर यहाँ विशेष पूजा-अर्चना होती है, वहीं गणगौर महापर्व पर शाही सवारी निकलती है और ईसर-गौर की पूजा पूरे विधि-विधान से संपन्न की जाती है।

पर्यटन की अपार संभावनाएँ, पर विकास की कमी

इतिहास और आस्था से भरपूर यह मंदिर परिसर बिजौलिया क्षेत्र का प्रमुख पर्यटन स्थल है। हर वर्ष देशभर से पर्यटक और श्रद्धालु यहाँ दर्शन के लिए आते हैं। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि पुरातत्व विभाग और प्रशासन ने इसके विकास की दिशा में अपेक्षित ध्यान नहीं दिया है। मंदिर तक पहुँचने का सड़क मार्ग आज भी जर्जर स्थिति में है, और सुविधाओं का अभाव स्पष्ट दिखाई देता है।

संस्कृति और आस्था का प्रतीक

मंदाकिनी मंदिर परिसर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, शिल्पकला और आस्था का जीवंत प्रतीक है। यह परिसर प्रमाणित करता है कि बिजौलिया कभी प्राचीन सभ्यता, स्थापत्य कौशल और शैव परंपरा का गौरवशाली केंद्र रहा है।